'Bharat is My Home' डॉ० जाकिर हुसैन के उस भाषण का एक अंश है जिसे उन्होंने राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद दिया था । इस भाषण में वे प्रतिज्ञा करते हैं कि वे सदा देश के प्रति समर्पित रहेंगे और हरसंभव देश के उत्थान के लिए प्रयत्न करेंगे ।

सर्वप्रथम वे देशवासियों का आभार प्रकट करते हैं जिन्होंने उनपर विश्वास कर उन्हें देश का सर्वोच्च पदभार संभालने लायक समझा ।

वे आगे डॉ० राधाकृष्णणन की प्रशंसा करते हुए उन्हें राष्ट्रपति पद की गरिमा बढ़ाने का श्रेय देते हैं और कहते हैं डॉ० राधाकृष्णन अपूर्व ज्ञान विद्वता व अनुभव के स्वामी हैं । वे कहते हैं कि राधाकृष्णन ने हमेशा मनुष्य को आत्मसम्मान के साथ जीने के लिए बढ़ावा दिया है और वे चाहते थे कि सबको न्याय मिले ।

जाकिर हुसैन हमें आश्वस्त करते हैं कि वे इस कार्यालय में नम्रता और समर्पण की भावना से आए हैं । वे शपथ लेते हैं कि वे सदा संविधान का पालन करेंगे । वे प्रण लेते हैं कि वे खुद को उन समयहीन स्वतंत्र संस्कारों की सेवा में समर्पित करेंगे जो अलग-अलग संस्कृतियों के मेल से बने हैं और जिन्हें कई सालों में लोगों ने पहचाना है और महत्त्व दिया है । वे बताते हैं कि शिक्षा राष्ट्रीय प्रयोजन का महत्त्वपूर्ण साधन है और शिक्षा की गुणवत्ता पर ही भारत का विकास निर्भर करता है । वफादार जाकिर हुसैन प्रतिज्ञा लेते हैं कि वे सदा हमारी पुरानी संस्कृतियों की एकता के प्रति रहेंगे । वे प्रतिज्ञा लेते हैं कि वे हमेशा देश की प्रगति, विकास और उन्नति के लिए कार्य करेंगे और कभी भी किसी के साथ भेदभाव नहीं करेंगे । वे कहते हैं कि भारत उनका घर है और सभी भारतवासी उनके परिवार का हिस्सा है। वे इस घर को और बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत रहेंगे ताकि जो लोग भारत को विकासशील बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं उनका जीवन और भी समृद्ध हो जाए । वे लोगों को देश के विकास में सहयोग देने के लिए निवेदन करते हैं । वे चाहते हैं कि हमारा सांस्कृतिक जीवन नए ढांचे में

ढले । उनका कहना है कि किसी भी कार्य के दो रूप होते हैं स्वयं के लिए किया गया कार्य और समाज के लिए किया गया कार्य । ये दोनों एक-दूसरे पर आश्रित हैं। अगर हम खुद के लिए काम कर रहे हैं तो समाज के लिए भी काम कर सकते हैं और समाज का उत्थान तभी संभव है । ठीक वैसे ही बिना समाज के लिए कुछ किए आप प्रतिष्ठावान नहीं बन सकते । अगर हम मिलकर इन दोनों काम को करें तो अपने देश उन्नति की ओर अग्रसर होगा । यह सिर्फ शक्ति का संगठन नहीं बल्कि सद्व्यवहार और सदाचार का संगठन भी होगा जिसके बारे में गाँधीजी ने कल्पना की थी ।

डॉ० जाकिर हुसैन कहते हैं कि उन्हें देशवासियों पर पूरा भरोसा है और वे उम्मीद करते हैं वे उन्हें संतोषप्रद परिणाम देंगे । वे खुद भी इस कार्य में सहयोग कर गौरवान्वित होंगे।